24. रचनात्मक अभिव्यक्ति

सभी छात्रों में भिन्न-भिन्न प्रकार की रचनात्मक अभिव्यक्ति होती है। प्रत्येक छात्र कुछ अलग या कुछ नया करने का प्रयास करता रहता है। रचनात्मक अभिव्यक्ति द्वारा छात्रों की इसी कला को उभारने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए भिन्न-भिन्न प्रकार की विधाएँ शामिल की जाती हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों को समझाएँ, रचनात्मक कला की अभिव्यक्ति मौखिक तथा लिखित दोनों प्रकार से की जाती है।
- ❖ मौखिक अभिव्यक्ति– श्रवण एवं वाचन कौशल के बारे में समझाएँ।
- ❖ श्रवण कौशल के अंतर्गत सुनकर अर्थ या भाव ग्रहण करने की क्षमता का विकास किया जाता है तथा वाचन कौशल में वाक् यानी बोलने के कौशल में परिपक्व किया जाता है।
- ❖ श्रवण कौशल के दोनों प्रकारों– श्रुतबोधन तथा श्रुतभाव ग्रहण समझाएँ।
- ❖ समझाएँ, गद्यांश को सुनकर अर्थ ग्रहण करना तथा उसपर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना श्रुतबोधन कहलाता है।

  श्रुतभाव ग्रहण में काव्यांश को सुनकर उसका भाव समझना होता है तथा उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर बताने होते हैं।
- ❖ पृष्ठ 158-159 पर दिए श्रुतबोधन तथा श्रुतभाव ग्रहण के उदाहरणों द्वारा छात्रों को इनका अभ्यास करवाएँ।
- ❖ लिखित अभिव्यक्ति के अंतर्गत छात्रों को प्रतिवेदन, विज्ञापन लेखन, संवाद, चित्र वर्णन, डायरी लेखन, कहानी लेखन आदि के बारे में समझाएँ।
- ❖ छात्रों द्वारा किया अभ्यास जाँचें।